खाद्यान्न पैदावार 31 करोड़ टन से अधिक रहने का अनुमान

चालू फसल वर्ष में खाद्यान्न उत्पादन का दूसरा अग्रिम अनुमान जारी

जागरण ब्यूरो, नई दिल्ली : चालू फसल वर्ष में अनुकूल मौसम, बेहतर सरकारी समर्थन और किसानों की मेहनत के चलते खाद्यान्न की बंपर पैदावार का अनुमान है। कृषि मंत्रलय की ओर से खाद्यान्न उत्पादन के जारी दूसरे अग्रिम अनुमान के अनुसार इस बार 31.6 करोड़ टन से अधिक उत्पादन होगा। रबी सीजन की प्रमुख फसल गेहूं की पैदावार 11.13 करोड़ टन और चावल की 12.79 करोड़ टन के साथ अब तक की सर्वाधिक होगी। बढ़ती घरेलू मांग के चलते दलहन और तिलहनी फसलों की खेती का जहां बोआई रकबा बढ़ा है, वहीं चालू फसल वर्ष में इन दोनों वर्ग की फसलों में रिकार्ड पैदावार की उम्मीद जताई गई है।

जारी दूसरे अग्रिम अनुमान के अनुसार खाद्यान्न की रिकार्ड पैदावार से जहां किसानों की हालत में सुधार होगा, वहीं कोरोना से उबर रही देश की इकोनमी को रफ्तार मिलेगी। खाद्यान्न की कुल पैदावार में 53 लाख टन से अधिक की वृद्धि होगी। जबकि प्रमुख फसल चावल का उत्पादन 12.79 करोड़ टन और गेहूं का 11.13 करोड़ टन रहेगा, जो अब तक का सर्वाधिक होगा।

चालू वर्ष में आयात निर्भरता घटाने के लिए सरकार का पूरा जोर दलहनी और तिलहनी फसलों की खेती को प्रोत्साहित करने पर रहा है। इसका असर सरकार के जारी दूसरे अग्रिम अनुमान में दिखने भी लगा है। दलहनी फसलों की पैदावार का अनुमान 2.70 करोड़ टन लगाया गया है जो पिछले साल के 2.55 करोड़ टन से अधिक है। खाद्य तेलों के आयात पर भारी विदेशी मुद्रा खर्च होती है। इस आयात निर्भरता को घटाने के उद्देश्य से कई तरह के प्रोत्साहन दिए गए थे। लिहाजा तिलहनी फसलों का उत्पादन पिछले साल के 35.94 करोड़ टन से बढ़कर 37.15 करोड़ टन होने का अनुमान लगाया गया है।

दलहनी फसलों में चना का उत्पादन रिकार्ड 1.31 करोड़ टन होगा, जो पिछले साल के 1.19 करोड़ टन से अधिक होगा। तिलहनी

बोआई रकबा बढ़ा है, वहीं चालू फसल वर्ष में इन दोनों वर्ग की फसलों में रिकार्ड पैदावार की उम्मीद जताई गई है।

जारी दूसरे अग्रिम अनुमान के अनुसार खाद्यान्न की रिकार्ड पैदावार से जहां किसानों की हालत में सुधार होगा, वहीं कोरोना से उबर रही देश की इकोनमी को रफ्तार मिलेगी। खाद्यान्न की कुल पैदावार में 53 लाख टन से अधिक की वृद्धि होगी। जबकि प्रमुख फसल चावल का उत्पादन 12.79 करोड़ टन और गेहूं का 11.13 करोड़ टन रहेगा, जो अब तक का सर्वाधिक होगा।

चालू वर्ष में आयात निर्भरता घटाने के लिए सरकार का पूरा जोर दलहनी और तिलहनी फसलों की खेती को प्रोत्साहित करने पर रहा है। इसका असर सरकार के जारी दूसरे अग्रिम अनुमान में दिखने भी लगा है। दलहनी फसलों की पैदावार का अनुमान 2.70 करोड़ टन लगाया गया है जो पिछले साल के 2.55 करोड़ टन से अधिक है। खाद्य तेलों के आयात पर भारी विदेशी मुद्रा खर्च होती है। इस आयात निर्भरता को घटाने के उद्देश्य से कई तरह के प्रोत्साहन दिए गए थे। लिहाजा तिलहनी फसलों का उत्पादन पिछले साल के 35.94 करोड़ टन से बढ़कर 37.15 करोड़ टन होने का अनुमान लगाया गया है।

दलहनी फसलों में चना का उत्पादन रिकार्ड 1.31 करोड़ टन होगा, जो पिछले साल के 1.19 करोड़ टन से अधिक होगा। तिलहनी फसलों में प्रमुख सरसों की पैदावार 1.15 करोड़ टन होगी जो पिछले साल के 1.02 करोड़ टन के मुकाबले अधिक है। मोटे अनाजों यानी पोषक तत्वों से भरपूर अनाजों वाली फसलों की पैदावार 4.99 करोड़ टन होगी जो पिछले फसल वर्ष के उत्पादन के मुकाबले मामूली रूप से कम होगा। इस वर्ग की फसलों का रकबा तिलहनी और दलहनी फसलों की ओर चला गया है।

गन्ने का उत्पादन रिकार्ड 41.4 करोड़ टन होने का अनुमान लगाया गया है, जबकि पिछले वर्ष यह 40.53 करोड़ टन रहा था। कपास की पैदावार 3.40 करोड़ टन गांठ (170 किलो) होने का अनुमान है जो पिछले साल के मुकाबले मामूली रूप से कम है।

'>>गेहूं की पैदावार 11.13 करोड़ टन से अधिक, दलहन 2.70 करोड़ टन के पार पहुंचने की उम्मीद

'>>तिलहन की रिकार्ड-तोड़ पैदावार का अनुमान जारी, सरसों उत्पादन 1.15 करोड़ टन रहेगा